

Topic - Concept of Function

प्रश्न - प्रकार्य की अवधारणा को वर्णन करें एवं विशेषताएँ

उत्तर - सामाजिक प्रकार्य का अर्थ हम समाज में संपूर्ण (एक) किसे करने वाला कार्य या उसके योगदान से लगाने हैं किन्तु समाज में प्रकार्य का अर्थ संपूर्ण सामाजिक संरचना को उपकृत बनाने एवं अनुकूलन करने में उसकी इकाइयों द्वारा जो सकारात्मक योगदान दिया जाता है उसी से लगाया जाता है। प्रकार्य की अवधारणा का हम शरीर के उदाहरण से स्पष्ट समझ सकते हैं। शरीर की संरचना का निम्नीय विभिन्न इकाइयों या अंगों जैसे हृदय, पात्र, नाक, कान, पैर, हड्डी, पैर, आदि समझाकर होता है। शरीर की ये विभिन्न अंग शरीर उपकरणा का बनाये रखने और अनुकूलन में अपना जो योगदान देते हैं, जो कार्य करते हैं उसी ही अंग इकाइयों का प्रकार्य कहा जाता है।

प्रकार्य के अर्थ को परिभाषित करते हुए Redcliff Brown के अनुसार - "किसी सामाजिक इकाई का प्रकार्य उस इकाई का वह योगदान है जो वह सामाजिक उपकरणों की क्रियाशीलता के रूप में सामाजिक जीवन को देती है।" वे पुनः पारबो है "प्रकार्य एक आंशिक क्रिया पर उस संपूर्ण क्रिया को दिया जाने वाला योगदान है जिसका की वह एक भाग है।"

Johnson के अनुसार - "किसी भी आंशिक संरचना जैसे एक उपकरण, एक भूमिका, एक सामाजिक नियम अथवा एक धार्मिक मूल्य का वह योगदान जो वह एक सामाजिक उपकरण या उपकरणों की क्रियाशीलता के लिए आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कर प्रकार्य कहा जाता है।"

उपपरिभाषा से स्पष्ट है कि प्रकार्य सामाजिक संरचना की इकाई का वह योगदान है जो सामाजिक उपकरणों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दिया जाता है।

उपपरिभाषाओं से स्पष्ट है कि प्रकार्य समाज व संस्कृति की इकाई का वह योगदान है जो इसकी निरंतरता और उपकरण बनाये रखने में सहायक होता है।

प्रकार्य की विशेषताएँ - प्रकार्य की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं - 1) प्रकार्य का संबंध सामाजिक संरचना को निर्माण करने वाली इकाइयों से है। 2) सामाजिक संरचना की इकाइयों द्वारा दिए जाने वाली